कुलियों के माध्यम से रेल यात्रियों को लुटवा रही मोदी सरकार

नीलिमा झा

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कुलियों का बहुत बड़ा गैंग है और इन्हीं की दादागिरी भी चलती है। ये यात्रियों को इस तरह से टार्चर करते हैं कि वे थके-हारे पहले से ही परेशान रहते हैं और कुलियों का ऐसा व्यवहार उन्हें और दुखी कर देता है। यहां पर कुलियों से, पुलिस, रेलवे के कुछ कर्मचारी, टैक्सी वाले, ऑटो वाले, बुजुर्गों को स्टेशन लाने ले जाने वाली बैट्री रिक्शा, सभी इनसे मिले होते हैं। वहां टैक्सी, ऑटो वालों का कहना है कि 300 रुपये में 50 रुपये, और 1000 में 150 रुपये तो कुली ही अपना कमीशन ले लेता है, इसके कहे अनुसार नहीं करेंगे तो ये एक भी सवारी मुझे नहीं देगा।

वहां ट्रेन से उतरने से पहले, चलती ट्रेन में ही कुली चढ़ कर मोल-भाव शुरू कर देता है और सामान को जबरदस्ती पकड़े रहेगा। प्लेटफार्म पर उतरने के बाद टैक्सी वाले ऑटो वाले सभी से इनका कमीशन बंधा रहता है। यहां ट्रेन पर चढने से पहले और उतरने के बाद कुलियों की मनमर्जी चलती है। वो जो कहेंगे वो मानना पड़ेगा नहीं तो गलत रास्ता बता देंगे और इससे यात्रियों को भटकना पड़ता है, ट्रेन भी छूट जाती है। जिन यात्रियों के पास छोटा-मोटा भी सामान रहता है जिसे वो आसानी से लेकर चल सकते हैं, तो ये गैंग कहने लगेंगे कि तुम वहां तक नहीं पहुंच पाओगे मैं छोड़ देता हूं, 500 रुपये लगेंगे। आप मेरे साथ चलो नहीं तो पुलिस वाले आपको एंट्री नहीं देंगे। ऐसा कहकर यात्रियों को बरगला देते हैं।

नई दिल्ली तो ऐसा रेलवे स्टेशन है कि यहां विदेशों से भी यात्रीगण आते हैं। कई बार मेरे साथ वाराणसी, गया, राजगीर जो इनका तीर्थ और पर्यटन स्थल भी है। वो नई दिल्ली से मेरे साथ ही ट्रेन में बैठे थे। उन्हें तो यहां के बारे कुछ पता नहीं होता है कुली जितना पैसा मांगता है, निकाल कर दे देते हैं। हम लोग जैसे यात्री भी सोचने लग जाते हैं कि ट्रेन छुटने पर टिकट के 2000-2500 रुपये बेस्ट भी चला जायेगा और ट्रेन भी नहीं पकड़ पायेंगे तो इससे अच्छा है कि इसे 500 रुपये देकर आसानी से ट्रेन तक पहुंच जायेंगे और ज्यादातर यही होता भी है। सही में पुलिस भी एंट्री नहीं देती है, यात्री धक्के खाते रह जाते हैं।

यात्रियों को, मेट्रो के एक नम्बर गेट से निकलते ही वहां कुली का गैंग खड़ा रहेगा और उनका छोटा सा भी बैग हो तो उनसे जबरदस्ती छीनने की कोशिश करने लगता है। जिसे रेलवे स्टेशन से मेट्रो जाना है उसके साथ कुली के नहीं रहने पर एक नम्बर गेट से इंट्री नहीं देगा। कुली साथ है तो जिस गेट से मर्जी है चले जाओ कोई कुछ नहीं कहेगा।

मेरे साथ भी 28 सितम्बर को यही हुआ किन्तु मुझे पता था। एक-दो बार मेरे साथ भी ऐसा ही हो चुका है। मुझे पटना जाने के लिये राजधानी पकरनी थी। जैसे ही मैट्रो के एक नम्बर गेट से बाहर निकली कि वहां कुली खड़ा था और कहने लगा कि कौन सी ट्रेन पकड़ना है? में आपको वहां तक छोड़ देता हूं 500 रुपये लगेंगे। मैं कुछ नहीं बोली आगे निकल गई। थोड़ी दूर जाने पर वहां फ़िर दूसरा कुली कहने लगा आप वहां तक नहीं जा सकते हो मैं छोड़ देता हूं 300 रुपये लगेंगे। मैं आगे बढ़ती चली गई, जब तीन नम्बर गेट के पास पहुंची तो वहां पुलिस खड़ी थी। वो मुझे अंदर नहीं जाने दिया। मैं पूछी जब आप अंदर नहीं जाने देते हो तो ये रास्ता किसलिये है। पुलिस बोला यहां आपका सामान कैसे चेक होगा? ये बाहर निकलने का रास्ता है। उसी वक्त कुली के साथ आने वाले यात्री अंदर चले गये ओर मुझे नहीं जाने दिया। फ़िर दूसरी गेट के समीप एस्क्लेटर के पास जाने पर वहां भी पुलिस खड़ी थी वो भी यही कहा। इस गेट से अंदर नहीं जाना है आगे से जाओ। मैं कही मेरी ट्रेन छुट जायेगी प्लीज जाने दो, किन्तु वो कहां सुनने वाला था।

इसके बाद एक नम्बर गेट से ऊपर की ओर गई, जहां से टिकट मिलती है। वहां पर न पुलिस थी और न ही कुली, वो कोई कर्मचारी था। वो मुझे वहीं रोक लिया और पूछा कि आप कैसे जाना चाहते हो? मैं इस बात को नहीं समझी और बोल दी कि जैसे मैं जल्दी पहुंच जाऊं, मेरी ट्रेन लगी हुई है। वो कहने लग गया कि देख लो कितनी लम्बी लाइनें लगी है प्लेटफार्म तक जाने में एक घंटे से कम नहीं लगेंगे और ट्रेन भी खुल जायेगी मैं कुली से छोड़वा देता हूं। मैं पूछी कितने पैसे लोगे तो कहा बस 300 रुपये दे देना। मैं बोली मेरे पास पैसे नहीं है और वहां खड़ी होकर अंदाजा लगाने लगी कि कितनी देर में यात्री कहां तक निकलते है। मुझे पता चल गया कि मैं भी आसानी से चली जाऊंगी। मैं भी लाइन में लग गई और ठीक पांच से सात मिनट के अंदर 14 नम्बर प्लेटफ़ार्म पर पहुंच गई।

ट्रेन मैं बैठने के बाद कुछ यात्री कुली की चर्चा करने लगे मेरे से इतने पैसे मांगा, वहां से अंदर नहीं आने दिया, ये यात्रियों को लुटते हैं। यहां ज्यादातर यात्री बाहर से आते हैं उन्हें पता नहीं होता है और कुली के चक्करों में फस जाते हैं। वे सोचते हैं कि चलो इतने पैसे ही तो लेगा, आसानी से जगह पर पहुंचा तो देगा।

इतना ही नहीं प्लेटफार्मों पर मिलने वाली ई-रिक्शा द्वारा बाहर निकलने तक का भाड़ा 500 रुपये तथा ब्हील चेयर का किराया 400 रुपये वसूला जाता है। यही है मोदी का विकास मॉडल।

दरअसल स्टेशन पर होने वाली यात्रियों की इस लूट में कुली तो मात्र एक मोहरा है। कुली की इतनी औकात नहीं हो सकती कि वह इस तरह से खुलेआम यात्रियों को लुटे। इस लूट में पुलिस व सम्बन्धित रेलवे अधिकारी सम्मिलित रहते हैं। वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन बनाने का दावा करने वाली मोदी सरकार को अपनी नाक के नीचे होने वाली ये लूट क्या नज़र नहीं आ रही?

समस्याओं से जूझती बसंत विहार वैलफेयर एसोसिएशन

करनाल (रवि भाटिया) आज वसंत विहार वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने अपनी मासिक बैठक कर कॉलोनी की अनेकों समस्याओं पर चिंतन मनन करते हुए अपने विचार व्यक्त किए गए । बैठक की अध्यक्षता प्रधान गुलाब पोसवाल और मंच संचालन महासचिव दुली चंद चौहान द्वारा किया गया।

इस मौके पर कैप्टन रमेश शर्मा ने कॉलोनी के पार्क न.2 वाले पिछले हिस्से में पानी की निकासी की समस्या पर बोलते हुए कहा की नगर निगम प्रशासन ने यहां की गलियों में नालियां नहीं बनाई जिससे विगत बारिश में गलीवासियों के घरों में पानी भर गया । नगर निगम प्रशासन ने पार्क के अंदर वॉटर हार्वेस्टिंग संयंत्र लगाने का आश्वासन दिया था। बारिश तो आगे भी आएगी इसलिए एसोसिएशन को इस समस्या के निदान हेतु निगम प्रशासन को अवगत कराए।

बैठक में अपने विचार व्यक्त करते हुए पूर्व प्रधान सुभाष शर्मा ने नालों नालियों में पानी खड़ा होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इनके सही लेवल ना होने के कारण इनमें पानी जमा रहता है। जिसमें जहरीले मच्छरों का पनपना शुरू हो जाता है

एसोसिएशन द्वारा पिछले वर्ष भी इस मुद्दे को गंभीरता के साथ विभागाध्यक्षों के संज्ञान में लाने का काम किया था, मगर इस ओर इससे सम्बन्धित विभाग अपनी जिम्मेवारी से मुंह मोड़ कर बैठा है ,ऐसी लापरवाही से कॉलोनी में पहले भी डेंगू मलेरिया से लोग प्रभावित रहे थे।

एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्य व आम आदमी पार्टी के नेता कुलदीप सिंह मैहला ने अपने विचार देते हुए कहा कि पिछले कई वर्षो से एसोसिएशन नगर निगम प्रशासन को कॉलोनी में आवारा जानवरों,आवारा सूअरों और गलियों में हिंसक कुत्तों की बढ़ती संख्या से अवगत कराती आ रही है। क्या कारण है कि निगम प्रशासन इस पर कोई कारवाई नहीं कर रहा है। जिला प्रशासन पर सरकार का दबाव ना होने से जनता परेशानियों को झेलने के लिए मजबूर हो रही है।

एसोसिएशन के प्रेस सचिव रवि भाटिया ने कहा कि रेड लाइट चौक आई टी आई पर आए दिन जाम की स्थिति लगने पर चिंता जताई और कहा कि यदि निगम प्रशासन कॉलोनी के पुराने रास्ते से अतिक्रमण हटा कर लोगो का सफ़र और आसान कर सकती है।

एसोसिएशन पिछले कई वर्षो से रेड लाइट चौक आई टी आई से पहले कुंजपुरा रोड से गन्ना फार्म की दीवार के साथ साथ अमृतधारा हस्पताल, रेड कार्पेट और भाटिया गैराज के बीच इस अतिक्रमण जदा रास्ते को जी टी रोड तक मिला दे तो एक बढ़िया स्लीप वे बन सकता है। कॉलोनी के घरों के उपर लटकती जिंदगी के लिए खतरा हाई टेंशन तारों को हटाने बारे भी कार्य होना चाहिए ऐसी बड़ी समस्याओ के निजात हेतु हमें शहर की अन्य संस्थाओं जैसे सड़क सुरक्षा संघठन ,जिला शिकायत कमेटी व अन्य को शहर की समस्याओं के निवारण हेतु कार्य करती है को साथ लेकर आगामी कदम उठाना चाहिए।

इस अवसर पर एसोसिएशन के महासचिव दुली चंद चौहान ने कहा कि गली न.16 के शुरू में बिजली के खंभे बीच गली में होने से राहगीरों को परेशानी हो रही है। एसोसिएशन के द्वारा गली वासियों की चिंता को अवगत कराने हेतु माननीय बिजली मंत्री जी को 2020 में इन्हे हटाने बारे आवेदन पत्र लिखा गया था जिसके सम्बन्ध में बिजली विभाग करनाल को करवाई हेतु पत्र भी प्रेषित हुआ था मगर आज दो साल हो गए है। आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस मौके पर कोषाध्यक्ष चांर रूप भोरिया ने बैठक में आय व्यय की रिपोर्ट पेश की।

उप प्रधान धीरज सिंह रावत जी ने अपना रोष जताते हुए कहा कि एसोसिएशन जो मुद्दे कॉलोनी की भलाई हेतु उठाती आ रही है उन मुद्दों पर तब तक अपनी आवाज उठाती रहे जब तक निगम या अन्य सम्बन्धित विभाग गंभीर ना हो जाए। इन समस्याओं के अतिरिक्त

गलियों में लगने वाली लाइट पूरी गलियों में ना लगता जाना,मुख्य सड़क के उखड़े ब्लॉकों को सही नहीं करना। स्मार्ट सिटी के तहत लगी लाइटो का लगने से पहले खराब हो जाना। अंत में प्रधान गुलाब पोसवाल ने अपने विचार रखते हुए कहा कि एसोसिएशन कॉलोनी के विकास की आवाज उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एसोसिएशन की पूरी कार्यकारिणी अपने कीमती समय को एक ओर रखकर कॉलोनी के विकास और समस्याओं की चिंता करते हुए उनके समाधान हेतु सम्बन्धित अधिकारियों से मिलने के लिए उनके दफ्तर जाती रहती है मगर अक्सर अधिकारियों का ना मिलना बड़ा कष्टकारी हो जाता है।

परन्तु वसंत विहार वेलफेयर एसोसिएशन अपने हौसले और धैर्य के लिए जानी जाती है ,हम कॉलोनी की आवाज और समस्याओं के समाधान तक ना रुके है ना ही रुकेंगे , आगे भी लगातार प्रयास करते रहेंगे। इस मौके पर कैप्टन रमेश चन्द्र शर्मा, गुलाब सिंह पोसवाल ,दुली चंद चौहान, रमेश शर्मा, सी आर भोरिया,शमशेर सिंह, एम एस सैनी,रवि भाटिया,सुभाष शर्मा, बी डी शर्मा,कुलदीप मैहला,धीरज रावत, अजय कुमार,हरिंदर सिंह आदि मौजूद रहे

आम आदमी पार्टी ने केन्द्रीय मंत्री किशन पाल को रावण बनाकर पुतला फूंका

फरीदाबाद (म.मो) आम आदमी पार्टी के नेता संतोष यादव के नेतृत्व में व अन्य आम पार्टी के लोगो के साथ मिलकर भडाना चौक पर केंद्रीय मंत्री किशन पाल गुर्जर का रावण, विधायक नीरज शर्मा का मेघनाथ व नगर निगम को कुंभकर्ण नुमा पुतला बनाकर जलाया गया।

इस दौरान संतोष यादव ने संवाददाता को बताया की फरीदाबाद की जनता मूलभूत सेवाओं की कमी से परेशान है, क्षेत्र में कहीं भी चले जाओ सीवरेज के दूषित पानी का जलभराव है , इसी जलभराव के चलते रास्तो में खुले सीवरेज के मैनहोल में गिरने से लोगो की जान जा रही है , जगह-जगह टूटी फूटी सड़के हैं , शिक्षा का बुरा हाल है, निजी अस्पताल माफिया लोगो को लूट रहा हैं , इन्ही सब हालातो को देख कर यहाँ की जनता और 'आप' पार्टी ने यह निर्णय लिया की रावण रूपी सांसद किशन पाल, भ्रष्टाचार से भरे नगर निगम व इस एरिये के विधायक नीरज शर्मा जो की कांग्रेस से हैं , जिन्होंने पिछले तीन साल से विकास की एक ईट भी नही लगाई है, वह भाजपा सांसद की गोद में बैठकर काम कर रहे हैं। इन्ही सब परेशानियों के चलते यहाँ की जनता और आप पार्टी ने दशहरा पर रावण और उसकी सेना का पुतला न जला कर इन भ्रष्टाचारियो का पुतला बना कर जलाया गया । इसके साथ-साथ उन्होंने ये भी कहा की ये विधायक और भाजपा सांसद मिलकर मुझपर झूठे मुक़दमे दायर करना चाहते है, अगर मैं जेल गया तो इन लोगो का पूरा काला चिट्ठा मेरे पास हैं ।

इसी मामले में एक ख़ास बात और रही 'आप' पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मवीर भड़ाना ने इस पुतला दहन कार्यक्रम में शामिल होने से साफ मना कर दिया था उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के द्वारा अपना ब्यान जारी किया था जिसमे उन्होंने कहा की इसके द्वारा जो पोस्ट डाली गयी है जिसमे केंद्रीय मंत्री किशन पाल का रावण का फोटो लगा कर व विधायक नीरज शर्मा का मेघनाथ का फोटो लगाकर और मेरा फोटो इसमें मुख्य अतिथी के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिसके बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है न मेरा उस बात से कोई लेना देना है इस बात का मैं खंडन करता हूँ और न ही मैं उस कार्यक्रम में जाउंगा।

पाठको को बता दे जिस पोस्ट का जिक्र धर्मवीर कर रहे है वह पोस्ट संतोष यादव द्वारा डाली गई थी । धर्मवीर द्वारा डाली गई पोस्ट के बारे में जब इसी संवाददाता ने संतोष यादव से पूछा था तो उन्होंने यह कह कर पल्ला झाड दिया की अभी ऐसी कोई भी पोस्ट उन्होंने देखी नहीं है, यहाँ एक और बात बता दे माना जाता है की धर्मवीर भड़ाना अक्सर किसी भी मामले में किशन पाल का नाम लेने से कतराते है फिर यहाँ तो उनका रावण नुमा पुतला जलाने की बात कही जा रही थी जो नाम लेने से कतराता हो वह पुतला दहन में कैसे शामिल हो सकता है इन सब बातो के पीछे धर्मवीर और किशन पाल के रिश्ते और राजनीतिक कारण भी हो सकते है।

इसी पुतला दहन सम्बन्ध में इस एरिये के विधायक नीरज शर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया की मैं राम कथा करता हूँ सच्चा इंसान हूँ आरोप तो सीता माँ पर भी लगाये गए थे आरोप लगाने से कुछ नहीं होता आरोपों को साबित करके दिखाए।

उन्होंने संवाददाता को बताया की मैं एक जनप्रतिनिधि हूँ इसके नाते मैंने जनता की बात प्रशासन तक पहुचा दी है मेरा तो बस जनप्रतिनिधि के नाते इतना ही काम है जो मैंने कर दिया है, अगर प्रशासन काम को नहीं करता है तो मैं कुछ नहीं कर सकता हूँ।